

बिहार में चावल से लेकर चीनी तक के लिये नविश प्रस्ताव, 20 नई यूनिट लगाने की योजना

चर्चा में क्यों?

20 सितंबर, 2022 को मीडिया सूत्रों से मली जानकारी के अनुसार बिहार में खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में नविश के लिये 529 करोड़ रुपए के नए प्रस्ताव आए हैं। इन प्रस्ताव में 20 नई यूनिट लगाने की योजना है। राज्य की नविश प्रोत्साहन परिषद ने इसे प्रारंभिक स्वीकृति दे दी है।

प्रमुख बिंदु

- ये प्रस्ताव राज्य नविश प्रोत्साहन परिषद की 41वीं बैठक में आए हैं। खाद्य प्रसंस्करण की सात प्रमुख यूनिटों की स्थापना में 419 करोड़ रुपए के नविश के प्रस्ताव हैं। वैशाली में खाद्य प्रसंस्करण की प्रस्तावित यूनिट में 213 करोड़ रुपए के नविश की संभावना है। इस यूनिट में केच-अप, टोमैटो पेस्ट और न्यूट्रिशनल पाउडर का निर्माण होगा।
- गोपालगंज स्थिति वणिगु शुगर मलिस लिमिटेड 90 करोड़ रुपए की लागत से मोलासेस बेसड इथेनॉल डिसटिलरी, पश्चिमी चंपारण स्थिति मछौलिया सुगर इंडस्ट्रीज भी मोलासेस बेसड डिसटिलरी प्लांट पर 27 करोड़ रुपए खर्च करेगी।
- इसके अलावा हरनिगर सुगर मलिस लिमिटेड पश्चिमी चंपारण में 80 करोड़ रुपए की लागत से चीनी मलि प्लांट स्थापति कया जाएगा। इसी तरह औरंगाबाद औद्योगिक क्षेत्र में वभिन्न प्रकार के सतत और फ्रूट उत्पाद के कारखाने प्रस्तावित हैं।
- खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े अन्य प्रस्तावों में 110 करोड़ रुपए के नविश से 13 राइस मलि लगाने के प्रस्ताव हैं। ये यूनिट अरवा और उसना चावल से जुड़ी हैं। ये सभी राइस मलिन सीतामढ़ी, मधुबनी के वदियानगर, कशिनगंज के कासीपुर बेलवा, रोहतास के करघर, औरंगाबाद में खेरहरी, बांका, पश्चिमी चंपारण, भोजपुर में जगदीशपुर और पूर्णिया में स्थापति की जानी हैं।
- नविश प्रोत्साहन परिषद में टेक्सटाइल और लेदर यूनिट लगाने के भी 46 करोड़ रुपए से अधिक के प्रस्ताव हैं। कशिनगंज के सुलतानगंज में जूट के धागे, फाइबर उत्पाद, सलाई, बुनाई और कढ़ाई की यूनिट लगाना प्रस्तावित है। इसी तरह भागलपुर, पूर्णिया, बांका और पूर्वी चंपारण में टेक्सटाइल और लेदर यूनिट के लिये प्रथम क्लियरेंस दया गया है।
- अन्य महत्वपूर्ण तथ्य-
 - फ्लाई ऐश ईट निर्माण के लिये मुजफ्फरपुर मोहनपुर में, भागलपुर, पटना, बेगूसराय में यूनिट स्थापति करने के प्रस्ताव हैं। हालाँकि, इस पर केवल सात करोड़ रुपए के नविश प्रस्तावित हैं।
 - इसके अलावा पूर्णिया, पटना और मुजफ्फरपुर जिलों में पीवीसी पाइप आदि के लघु उद्योग स्थापति कये जाने हैं।
 - लगभग 177 करोड़ रुपए की 21 अन्य यूनिट लगाने के प्रस्ताव हैं। जनरल मैनुफैक्चरिंग, नवीकृत ऊर्जा, फ्लोर मलि, पेपर कप और प्लेट, कोल्ड स्टोरेज, वेयर हाउस, मशीन मैनुफैक्चरिंग, हॉस्पिटल, ऑक्सीजन प्लांट और वुडन फर्नीचर यूनिट लगनी हैं।
 - नविश प्रोत्साहन परिषद की 41वीं बैठक में 765 करोड़ रुपए के 53 प्रस्तावों पर प्रथम क्लियरेंस की मुहर लगी, 164 करोड़ रुपए के 11 प्रस्तावों को वित्तीय क्लियरेंस दी गई तथा 10 इकाइयों के फर्स्ट क्लियरेंस के आवेदनों को नरिस्त कर दया गया।